एथेनॉल से बढ़ेगी चीनी मिलों की आय

चीनी कंपनियों के शेयरों की कीमतों में 15 फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई

दिलीप कुमार झा
मुंबई, 11 दिसंबर

एथेनॉल की आधार कीमतों में बढ़ोतरी को आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) द्वारा मंजूरी दिए जाने के बाद गुरुवार को चीनी शेयरों में 15 फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। रिगा शुगर का शेयर 14.72 फीसदी चढ़कर 12.16 रुपये पर बंद हुआ। वहीं सिंभावली शुगर्स का शेयर 12.79 फीसदी उछलकर 15.96 रुपये और राजश्री शुगर का शेयर 7.80 फीसदी चढ़कर 24.20 रुपये पर बंद हुआ।

इस उद्योग की दिग्गज कंपनियों बलरामपुर चीनी और बजाज हिंदुस्तान के शेयरों में भी तेजी रही। बलरामपुर चीनी का शेयर 4.94 फीसदी उछलकर 61.55 रुपये और बजाज हिंदुस्तान का शेयर 4.52 फीसदी बढ़त के साथ 21.95 रुपये पर बंद हुआ। श्री रेणुका शुगर्स के शेयर की कीमत भी गुरुवार को 4.15 फीसदी मजबूत होकर 17.55 रुपये हो गई।

चीनी कंपनियों के शेयरों में तेजी की वजह एथेनॉल की आधार कीमत में 1.5-2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के सरकारी फैसले को माना गया। विश्लेषकों का मानना है कि सरकार के इस कदम से देश में एथेनॉल मिश्रण के कार्यक्रम में तेजी आएगी। इससे चीनी कंपनियों की वित्तीय सेहत में सुधार होगा।

देश में एथेनॉल की सबसे बड़ी उत्पादक और आपूर्तिकर्ता कंपनियों में से एक श्री रेणुका शुगर्स के प्रबंध निदेशक नरेंद्र मुरकुंबी ने कहा, 'एथेनॉल की कीमतों को लेकर काफी अनिश्चितताएं बनी हुई थीं। बिक्री कीमत का पता चलने से अब चीनी मिलें एथेनॉल का ज्यादा उत्पादन कर पाएंगी और कच्चे माल का एथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल करेंगे। इससे अत्यधिक चीनी स्टॉक कम होगा और एथेनॉल की आपूर्ति में सुधार आएगा।'

इस क्षेत्र की शीर्ष कारोबारी संस्था इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने अनुमान जताया है कि पेराई सीजन (अक्टूबर से सितंबर) 2013-14

आर्थिक मामलों की समिति ने एथेनॉल की आधार कीमत 1.5 से 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई

में चीनी का कुल सरप्लस 75 लाख टन होगा, जिसमें से 25 लाख टन को निर्यात योग्य सरप्लस के रूप में वर्गीकृत किया गया है। सीसीईए ने एथेनॉल की कीमत तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा पिछली निविदा में तय की गई खरीद कीमत से 1.5-2 रुपये प्रति लीटर ज्यादा तय की है।

फैक्टरी से तेल विपणन कंपनियों के खुदरा डिपो की दूरी के आधार पर सीसीईए ने 0-100 किलोमीटर के दायरे में आने वाले डिपो के लिए एथेनॉल की कीमत 48.50 रुपये प्रति लीटर तय की है। 101 से 200 किलोमीटर के लिए 49 रुपये प्रति लीटर, 201 से 300 किलोमीटर तक 49.50 रुपये प्रति लीटर, 300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर स्थित डिपो के लिए कीमत 50 रुपये प्रति लीटर तय की गई है। यह कीमत पिछली बार की खरीद कीमत से 1.5 से 2 रुपये प्रति लीटर ज्यादा है।

सरकार ने एथेनॉल की कीमत को गन्ने के उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) से जोड़ दिया है। लेकिन राज्य सरकारों को चीनी मिलों की दिक्कतों को दूर करने के लिए कदम उठाने होंगे। मिलें किसानों को राज्य परामर्शी कीमत के आधार पर गन्ने की कीमत देती हैं। पुणे स्थित एक सलाहकार कंपनी एथेनॉलइंडिया डॉट नेट के मुख्य सलाहकार दीपक देसाई ने कहा, 'यह फैसला चीनी उद्योग के लिए बहुत अच्छा है।'

इस्मा के महानिदेशक अविनाश वर्मा ने कहा, 'एथेनॉल के अनुबंधों की प्रक्रिया को पारदर्शी और आसान बनाने के लिए उद्योग सरकार के फैसले का स्वागत करता है। एथेनॉल की कीमत को गन्ने की कीमत पर आधारित करने से किसानों को सीधे फायदा होगा। चीनी उद्योग को प्राइमरी उपोत्पादों की 70 फीसदी कीमत किसानों को देनी होगी और इसलिए इसका मतलब है कि किसानों को ज्यादा आमदनी होगी।'

Business Standard
12/12/13